भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

पायका प्रतिस्पर्द्धाओं के लिए 25 करोड़ रुपए देना

अपने कार्यान्वयन के तीसरे वर्ष में पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान पायका ने पूरे देश में राज्य स्तर तक 20 खेल विधाओं में विभिन्न स्तर की खे ल प्रतिस्पद्धाओं में लगभग 9 लाख लड़कों और लड़कियों की भागीदारी को व्यवस्था की है।

वर्ष 2009-10 के दौरान इस खेल सं वर्धन योजना के तहत 18 पात्र राज्यों को लगभग 25 करोड़ रुपए का वार्षिक प्रतिस्पर्द्धा अनुदान दिया गया था। यह राशि अवसंरचना के विकास के लिए पहले दिए जा चुके एक बार दि ए जाने वाले प्रांरभिक पूंजीगत अनुदान ; खेल उपकरणों के संबंध में वार्षिक अर्जन अनुदा न; दिन-प्रतिदिन के खर्चों के लिए वार्षिक प्रचालन अनुदान के अतिरिक्त है।

ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्द्धाएं आयोजित करने के लिए आंध्र प्रदेश को 95.25 लाख रुपए ; बिहार को 3.424 करोड़ रुपए ; छत्तीसगढ़ को 1.17 करोड़ रुपए ; हरियाणा को 1.095 करोड़ रुपए ; हिमाचल प्रदेश को 70.5 लाख रुपए ; कर्नाटक को 1.424 करोड़ रुपए ; मध्य प्रदेश को 2.64 करोड़ रुपए ; मणिपुर को 46.50 लाख रुपए ; मिजोरम को 37.00 लाख रुपए ; नागालैंड को 56.00 लाख रुपए ; उड़ीसा को 2.108 करोड़ रुपए ; पंजाब को 1.185 करोड़ रुपए ; राजस्थान को 1.925 करोड़ रुपए ; सिक्किम को 32.00 लाख रुपए ; तमिलनाडु को 2.625 करोड़ रुपए ; त्रिपुरा को 36.00 लाख रुपए ; उत्तराखंड को 1.035 करोड़ रुपए (75%) और उत्तर प्रदेश को 2.549 करोड़ रुपए (50%) करोड़ रुपए दिए गए थे। ये अनुदान निम्न स्तर की प्रतिस्पर्द्धाएं आयोजित करने के लिए राज्यों /संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर दिए गए थे। ये अनुदान केवल उन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को दिए जाते हैं जिनके पूर्ववर्ती लेखे स्पष्ट रुप से बेबाक हो गए हैं।

चार ग्रुपों में आयोजित की जा रही राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्द्धाओं का आबंटन राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर राज्यों को बारी-बारी से संघ के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा किया जाता है। साइक्लिंग , जिमनास्टिक्स, तैराकी और वुशु की चार खेल विधाओं में प्रतियोगियों की संख्या पर्याप्त न होने के कारण इस योजना के तहत प्रस्तावित 20 खेल विधाओं में से इस वर्ष 16 खेल विधाओं में राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्द्धाएं आयोजित की गई थी। कुल मिलाकर, राष्ट्रीय स्तर पर चार ग्रुप के टूर्नामेंटों में 4572 लड़कों और लड़कियों ने भाग लिया।

चैन्नई, तमिलनाडु में 21 से 24 नवंबर 2009 तक आयोजित की गई ग्रुप एक की प्रतिस्पद्धाओं में एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, ताइक्वांडो, कुश्ती और भारोत्तोलन की खेल विधाओं में 21 राज्यों के 1196 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भोपाल, मध्य प्रदेश में 10 से 13 जनवरी 2010 तक आयोजित की गई ग्रुप दो की प्रतिस्पद्धाओं में बैडमिंटन , फुटबाल और टेबल टेनिस की खेल विधाओं में 22 राज्यों के 779 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आनंदपुर साहिब (पंजाब) में 17 से 20 जनवरी, 2010 तक आयोजित की गई ग्रुप तीन की प्रतिस्पद्धाओं में तीरंदाजी , बाक्सिंग, कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल की खेल विधाओं में 23 राज्यों के 1694 लड़के और लड़कियों ने भाग लिया। ग्रुप चार के टूर्नामेंट 28 से 31 जनवरी 2010 तक चित्रदुर्ग, कर्नाटक में आयोजित किए गए थे जिनमें 19 राज्यों के 903 लड़कों एवं लड़कियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्द्धाओं में मेडल जीतने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार के रुप में उपयोगी सामान और योग्यता प्रमाणपत्र दिए गए। प्रत्येक विधा में विजेता और उप विजेता (रनर्स) टीमों को टीम चैंपियनशिप शील्ड प्रदान की गई।

भारतीय खेल प्राधिकरण की विभिन्न संवर्धन योजनाओं के तहत आगे और प्रशिक्षण देने के लिए विशेष रुप से इस प्रयोजन के लिए तैनात किए गए विशेषज्ञों द्वारा कुल 407 लड़कों और लड़कियों को प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के रुप में चिन्हित किया गया । पायका योजना का उद्देश्य पंचायत स्तर पर बुनयादी खेल अवसंरचना और उपस्करों का प्रावधान करके तथा ब्लॉक से राष्ट्रीय स्तर तक की प्रतिस्पर्द्धाएं आयोजित करके सभी को खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है। खेलों में सभी आयु वर्गों की व्यापक भागीदारी को बढ़ावा देने के अलावा, यह खेल प्रतिभा के मूल आधार को भी विस्तृत बनाएगा , जिसके फलस्वरुप राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हमारे खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करेंगे।